Microfinance Institutions Network (MFIN)

Fincare Small Finance Bank case study

Coverage Report

September 2019

Media Coverage Index

S. No.	Publication Name	Media
1.	Dainik Chaitanya	Print
2.	Estate Express	Print
3.	Raj Express	Print

Publication	Dainik Chaitanya
Edition	Indore
Date	18th September 2019
Page No.	06

माइक्रो फाइनेन्स महिला उद्यमियों को दे रहा है सहयोग

संतोषबाई मध्यप्रदेश के मंदसौर ज़िले के गांव घोसाई में अपने परिवार के साथ रहती हैं। वे अपने पति और उनके भाई के साथ लोहे के सिकल बनाने की छोटी सी दुकान चलाती हैं, और साथ ही 3-4 बीघा ज़मीन में खेती भी करती हैं। संतोष ने फिनकेयर स्मॉल फाइनेन्स बैंक से सूक्ष्म ऋण लेकर अपना कारोबार शुरू किया, जो उनके क्षेत्र के लोगों को आजीविका में मदद करने के लिए सूक्ष्म ऋण देती है। इससे पहले वे जॉइन्ट-लायबिलिटी-ग्रुप में शामिल होने से घबराती थीं, लेकिन फिनकेयर के एक अधिकारी ने उन्हें ग्रुप में शामिल होने की प्रक्रिया और ऋण के फायदों के बारे में बताया, जिससे वे ऋण लेने के लिए तैयार हो गईं।

Publication	Estate Express
Edition	Indore
Date	18th September, 2019
Page No.	02

माइक्रोफाइनेन्स महिला उद्यमियों को दे रहा है सहयोग

भोपाल। संतोष बाई मध्यप्रदेश के मंदसौर ज़िले के गांव घोसाई में अपने परिवार के साथ रहती हैं। वे अपने पति और उनके भाई के साथ लोहे के सिकल बनाने की छोटी सी दुकान चलाती हैं, और साथ ही ३-४ बीघा ज़मीन में खेती भी करती हैं। संतोष ने फिनकेयर स्मॉल फाइनेन्स बैंक से सूक्ष्मऋण लेकर अपना कारोबार शुरू किया, जो उनके क्षेत्र के लोगों को आजीविका में मदद करने के लिए सूक्ष्म ऋण देती है। इससे पहले वे जॉइन्ट-लायबिलिटी-ग्रुप में शामिल होने से घबराती थीं, लेकिन फिनकेयर के एक अधिकारी ने उन्हें ग्रुप में शामिल होने की प्रक्रिया और ऋण के फायदों के बारे में बताया, जिससे वे ऋण लेने के लिए तैयार हो गईं। ऋण लेकर उन्होंने कच्चा माल खरीदा और सिकल बनाने का काम शुरू किया। पहले वे अपने हाथ से सिकल बनाते थे, इससे वे हर दिन सिर्फ १० सिकल ही बना पाते थे। आर्थिक परेशानी से गुज़र रही संतोष बाई ने अपना कारोबार बढ़ाने का फैसला लिया, जिसके लिए उन्हें एक पावर हैमर मशीन की ज़रूरत थी, ताकि मैनुफैक्चरिंग का काम तेज़ी से हो सके। संतोष ने फिनकेयर स्मॉल फाइनेन्स बैंक से एक और ऋण लेकर पावर हैमर मशीन खरीदी, जिससे उनकी मैनुफैक्चरिंग क्षमता बढ़कर १०० सिकल प्रतिदिन हो गई। संतोष के अब नियमित खरीददार हैं, जिन्होंने उनका कारोबार बढ़ाने में मदद की है।

संतोष बाई की तरह कई अन्य महिलाओं को फिनकेयर के साथ जुड़ने से फायदा हुआ है। फिनकेयर एक सूक्ष्म फाइनैंस बैंक है जो वित्तीय समावेशन के उद्देश्य के साथ काम करता है। संगठन ने कई स्थानीय महिलाओं को उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार लाने और उनके सपने साकार कर उनके जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में मदद की है।

माइक्रोफाइनेंस इन्सटीट्यूशन नेटवर्क एक स्व-विनियामक संगठन है। यह भारत में माइक्रोफाइनेन्स उद्योग के सहयोग से काम करता है, देश में सूक्ष्म ऋण की ९९ फीसदी लाभार्थी महिलाएं हैं। सूक्ष्म ऋण उपलब्ध कराने वाले संस्थान जैसे एनबीएफसी- एमएफआई, स्मॉल फाइनेन्स बैंक आदि भारत के उन वंचित लोगों को आसान ऋण सुविधाएं उपलब्ध कराते हैं जो आज भी बैंकिंग सेवाओं से वंचित हैं। ये संस्थान महिलाओं के लिए ऋण सुविधाओं की कमी को दूर करते हैं, जिनके पास ऋण लेने के लिए सिक्योरिटी या कोलेटरल का इंतज़ाम नहीं होता। दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों में उपभोक्ताओं को वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराकर ये संस्थान सरकार के वित्तीय समावेशन के एजेंडा को प्रोत्साहित करते हैं।

Publication	Raj Express
Edition	Indore
Date	19th September, 2019
Page No.	03

माइक्रो फाइनेंस महिला उद्यमियों को दे रहा सहयोग

मुंबई। संतोष बाई मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले के गांव घोसाई में अपने परिवार के साथ रहती हैं। संतोष ने फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक से सूक्ष्म ऋण लेकर अपना कारोबार शुरू किया। इससे पहले वे जॉइन्ट-लायबिलिटी-ग्रुप में शामिल होने से घबराती थीं, लेकिन फिनकेयर के एक अधिकारी ने उन्हें ग्रुप में शामिल होने के फायदे बताए। ऋण लेकर उन्होंने कच्चा माल खरीदा और सिकल बनाने का काम शुरू किया। पहले वे अपने हाथ से सिकल बनाते थे, इससे सिर्फ 10 सिकल ही बना पाते थे। संतोष बाई ने अपना कारोबार बढ़ाने का फैसला लिया और फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक से एक और ऋण लेकर पावर हैमर मशीन खरीदी, जिससे उनकी मैनुफैक्चरिंग क्षमता बढ़कर 100 सिकल प्रतिदिन हो गई। संतोष के नियमित खरीददार हैं और कारोबार बढ़ाने में मदद कर रहे हैं। संतोष बाई की तरह कई अन्य महिलाओं को फिनकेयर से फायदा हुआ है।